भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3493

जिसका उत्तर सोमवार, 11 अगस्त, 2025/20 श्रावण, 1947 (शक) को दिया गया

सीमा पार यूपीआई लेन-देन संबंधी डेटा

3493. श्री आलोक शर्मा: श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:
श्री लुम्बाराम चौधरी: श्री योगेन्द्र चांदोलिया:
डॉ. भोला सिंह: श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़:
श्री दिनेशभाई मकवाणा: श्री दिलीप शइकीया:
श्री बिद्युत बरन महतो: श्रीमती कमलेश जांगड़े:
डॉ. के. सुधाकर: श्रीमती कमलजीत सहरावत:
श्री तेजस्वी सूर्या: श्री राव राजेन्द्र सिंह:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने विश्व की रीयल-टाइम भुगतान प्रणालियों में अन्य भुगतान प्रणालियों को पीछे छोड़ दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उन देशों की सूची क्या है जहां यूपीआई भुगतान स्वीकार किए जाते हैं और/या यूपीआई को भुगतान विकल्प के रूप में माना जाता है;

(ग) सरकारी पहलों के अंतर्गत डिजिटल भुगतान को सहयोग देने/बढ़ावा देने हेतु यूपीआई प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत नए व्यापारियों या छोटे व्यवसायों की संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार के पास यूपीआई की शुरुआत के बाद से सीमा-पार लेन-देन में वृद्धि संबंधी कोई डेटा है;

(ड.) छत्तीसगढ़ सहित देश में पिछले पांच वर्षों के दौरान दर्ज किए गए मासिक लेन-देन की संख्या और मात्रा कितनी है; और

(च) क्या नियमित रूप से यूपीआई लेन-देन करने वालों के बीच फिशिंग और मैलवेयर घुसपैठ के मामले अपेक्षाकृत अधिक देखे गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): वर्ष 2016 में शुभारंभ होने के बाद से, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई)ने लेनदेन की मात्रा और मूल्य दोनों के संदर्भ में चरघातांकी वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 2024 – 25 में, यूपीआई ने 18,587 करोड़ रूपये की लेनदेन मात्रा और 261 लाख करोड़ रूपये का लेनदेन मूल्य दर्ज किया है। इसके अलावा, यूपीआई जुलाई 2025 में 1,947 करोड़ रूपये (यानी 19.47 बिलियन) लेनदेन दर्ज करके एक और उपलब्धि हासिल की है।

जून 2025 की 'ग्रोइंग रिटेल डिजिटल पेमेंट्स (द वैल्यू ऑफ इंटरऑपरेबिलिटी)' संबंधी अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट ने लेनदेन की मात्रा के आधार पर यूपीआई को विश्व की सबसे बड़ी खुदरा तीव्र -भुगतान प्रणाली (एफपीएस) के रूप में मान्यता दी थी।

सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) सीमा पार से भुगतान की सुविधा के लिए यूपीआई को अन्य देशों के एफपीएस से जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं। वर्तमान में, यूपीआई 7 देशों अर्थात यूएई, नेपाल, भूटान, सिंगापुर, मॉरीशस, फ्रांस और श्रीलंका में क्रियाशील है।

(ग): एनपीसीआई ने सूचित किया है कि नए व्यापारी या छोटे व्यवसायों सहित लगभग 6.5 करोड़ व्यापारियों को यूपीआई प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत किया गया है।

(घ): सीमापार यूपीआई लेन-देन का ब्यौरा **अनुबंध-I** में दिया गया है।

(ङ): पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान मासिक लेन-देन और दर्ज की गई मात्रा का ब्यौरा **अनुबंध-II** में दिया गया है।

(च): डिजिटल लेनदेन के बढ़ते डिजिटलीकरण और प्रसार के साथ, बैंक और ग्राहक के लिए फ़िशिंग और मैलवेयर घुसपैठ सहित साइबर खतरों का जोखिम बढ़ गया है। हालांकि, यूपीआई के लिए केवल सोशल इंजीनियरिंग से संबंधित जोखिम देखे गए हैं। सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और एनपीसीआई साइबर अपराध की रोकथाम के लिए छोटे एसएमएस भेजने, रेडियो अभियान और प्रचार सहित विभिन्न प्रयोक्ता जागरूकता कार्यकलाप चला रहे हैं।

*****

अनुबंध-I

यूपीआई संबंधी सीमा-पार लेनदेन का ब्यौरा

वित्तीय वर्ष	मात्रा	मूल्य (लाख में)
वित्तीय वर्ष 2021-22	180	0.03
वित्तीय वर्ष 2022-23	144	0.04
वित्तीय वर्ष 2023-24	37,060	1970.00
वित्तीय वर्ष 2024-25	7,55,445	25,853.00
वित्तीय वर्ष 2025-26 (जुलाई 2025 तक)	6,01,002	16,929.00

अनुबंध- II

वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान महीने-वार यूपीआई लेनदेन

माह	मात्रा (करोड़ में)	मूल्य (करोड़ में)
जून-2025	1,839.50	2,403,930.69
मई-2025	1,867.74	2,514,297.01
अप्रैल-2025	1,789.34	2,394,925.87
मार्च-2025	1,830.15	2,477,221.61
फरवरी-2025	1,610.61	2,196,481.69
जनवरी-2025	1,699.60	2,348,037.12
दिसम्बर-2024	1,673.00	2,324,699.91
नवम्बर-2024	1,548.20	2,155,187.41
अक्तूबर-2024	1,658.49	2,349,821.46
सितम्बर-2024	1,504.17	2,063,994.71
अगस्त-2024	1,496.30	2,060,735.57
जुलाई-2024	1,443.55	2,064,292.41
जून-2024	1,388.51	2,007,081.20
मई-2024	1,403.58	2,044,937.05
अप्रैल-2024	1,330.39	1,964,464.52
मार्च-2024	1,344.00	1,978,353.23
फरवरी-2024	1,210.26	1,827,869.35
जनवरी-2024	1,220.30	1,841,083.97
दिसम्बर-2023	1,202.02	1,822,949.42
नवम्बर-2023	1,123.52	1,739,740.61
अक्तूबर-2023	1,140.87	1,715,768.34
सितम्बर-2023	1,055.56	1,579,133.18
अगस्त-2023	1,058.60	1,576,536.56
जुलाई-2023	996.46	1,533,536.44
जून-2023	933.50	1,475,464.26
मई-2023	941.51	1,489,145.44
अप्रैल-2023	886.32	1,415,504.71
मार्च-2023	868.53	1,410,443.01
फरवरी-2023	753.47	1,235,846.62
जनवरी-2023	803.68	1,298,726.62
दिसम्बर-2022	782.94	1,282,055.01

नवम्बर-2022	730.94	1,190,593.39
अक्तूबर-2022	730.54	1,211,582.51
सितम्बर-2022	678.08	1,116,438.10
अगस्त-2022	657.96	1,072,792.68
जुलाई-2022	628.84	1,062,991.76
जून-2022	586.27	1,014,384.31
मई-2022	595.52	1,041,520.07
अप्रैल-2022	558.30	983,302.27
मार्च-2022	540.56	960,581.66
फरवरी-2022	452.74	826,843.00
जनवरी2022	461.71	831,993.11
दिसम्बर-2021	456.63	826,848.22
नवम्बर-2021	418.64	768,436.11
अक्तूबर-2021	421.86	771,444.98
सितम्बर-2021	365.43	654,351.81
अगस्त-2021	355.55	639,116.95
जुलाई-2021	324.78	606,281.14
जून-2021	280.75	547,373.17
मई-2021	253.95	490,638.65
अप्रैल-2021	264.10	493,663.68
मार्च-2021	273.16	504,886.44
फरवरी-2021	229.29	425,062.76
जनवरी-2021	230.27	431,181.89
दिसम्बर-2020	223.41	416,176.21
नवम्बर-2020	221.02	390,999.15
अक्तूबर-2020	207.16	386,106.74
सितम्बर-2020	180.01	329,027.66
अगस्त-2020	161.88	298,307.61
जुलाई-2020	149.73	290,537.86
जून-2020	133.69	261,835.00
मई-2020	123.45	218,391.60
अप्रैल-2020	99.95	151,140.66